अनुक्रमणिका

आमुख		1-8
अध्याय 1	आचार्य हेमचन्द्र का व्यक्तित्त्व और कृतित्त्व	9-42
	हेमचन्द्र का जीवन चरित्र	9
	विद्याध्ययन और व्यक्तित्व निर्माण	13
	हेमचन्द्र और सिद्धराज जयसिंह	16
	हेमचन्द्र और कुमारपाल	24
	कुमारपाल	24
	हेमचन्द्र और कुमारपाल की प्रथम भेंट	27
	हेमचन्द्र का कुमारपाल पर प्रभाव	30
	आचार्य हेमचन्द्र और उस युग के ख्याति प्राप्त व्यक्तित्त्व	32
	आचार्य हेमचन्द्र की रचनाएँ	32
	सिद्धहेमशब्दानुशासन, उसका स्वरूप	34
	आचार्य हेमचन्द्र के कोष ग्रन्थ–अभिधानचिन्तामणि, देशीनामाला, निघण्टु	37
	द्व्याश्रयकाव्य	38
	काव्यानुशासन	38
	छन्दोऽनुशासन	40
	प्रमाणमीमांसा	40
	त्रिषष्टिशलाकापुरुषचरित	40
	योगशास्त्र एव स्तोत्र	40
	आचार्य हेमचन्द्र की रचनाओ का तिथि-क्रम	40

अध्याय 2 देशीनाममाला 43–74

देशीनाममाला–स्वरूप–विवेचन 43
नामकरण की समस्या 44
देशीनाममाला का रचनाकाल 47
देशीनाममाला की मूलप्रतियाँ 49
देशीनाममाला का स्वरूप और उसकी विषयवस्तु 54
देशीनाममाला की गाथाएँ 57
वृत्ति या टीकाभाग 59
देशीनाममाला मे आयी हुई उदाहरण की गाथाएँ 66
गाथाओ का वर्गीकरण 70
देशीनाममाला का महत्त्व 72
भाषावैज्ञानिक महत्त्व, साहित्यिक महत्त्व 73

अध्याय 3 रयणावली (देशीनाममाला) का साहित्यिक अध्ययन 75–102

रयणावली की गाथाओ की विषयवस्तु 76
लौकिक प्रेम और शृंगार से सम्बन्धित पद्य 76
सयोग-वर्णन 77
विविध नायिकाएँ और उनके अभिसार-चित्र 80
रयणावली का मादक सौन्दर्य चित्र 82
रयणावली का वियोग-चित्रण 84
मान 85
प्रवास और विरहताप 85
कुमारपाल की प्रशस्ति से सम्बन्धित पद्य 90
रयणावली के विविध विषयात्मक पद्य 94
रयणावली का कला-पक्ष 97
छन्द 97
भाषा 99
अलङ्कार 99
निष्कर्ष 100

अध्याय 4 रयणावली (देशीनाममाला) का सांस्कृतिक अध्ययन 103-128

देशीनाममाला का सामाजिक वातावरण 104
सामाजिक एव पारिवारिक सम्बन्ध 105
रहन-सहन, रीति-रिवाज तथा वेश-भूषा व खान-पान 106
द्यूतक्रीडा 117
घरेलूवस्तुएँ 117
सामाजिक उत्सव एवं खेल-कूद 119
धार्मिक आचार-विचार और देवी-देवता 121
साहित्य और कला 124
ग्रामीण कृषक-जीवन से सम्बन्धित शब्दावली 126
राजनीति और शासन-व्यवस्था 127
निष्कर्ष 128

अध्याय 5 देशी शब्दों का विवेचन 129-168

देशी शब्दो का स्वरूप-विभिन्न मत 131
प्राकृत तथा देशी 134
अपभ्रंश और देशी 140
निष्कर्ष 145
देशी शब्दो के प्रति हेमचन्द्र के पूर्व के आचार्यो का दृष्टिकोण 146
आचार्य हेमचन्द्र का मत 149
आधुनिक भाषा वैज्ञानिको का मत 151
देशी शब्दो का उद्भव और विकास 158
भाषा वैज्ञानिक कारण 158
देशी शब्दो का विभिन्न प्रान्तीय बोलियो से उद्भव 158
देशी शब्दो का आर्येतर भाषाओ से उद्भव 162
देशी शब्दो के उद्भव और विकास का सास्कृतिक आधार 166

अध्याय 6 मानक हिन्दी तथा उसकी प्रमुख बोलियो मे विकसित देश्य शब्द 169–203

निष्कर्ष 202

अध्याय 7 देशीनाममाला का भाषाशास्त्रीय अध्ययन · ध्वनिग्रामिक विवेचन 204–303

खण्डीयध्वनिग्राम 205

स्वर ध्वनिग्राम— प्राप्य स्वर ध्वनिग्रामो की प्रकृति 206

अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ए, ऐ, ओ, औ, ऋ, ऌ का प्रयोग, ऐ और औ की स्थिति– 206–211

स्वर ध्वनिग्रामो का वितरण 211

खण्डेतर स्वर ध्वनिग्राम 213

अनुस्वार तथा अनुनासिक 213

विसर्ग का प्रयोग 214

सन्धि और स्वर-सयोग 215

य श्रुति और व श्रुति 216

स्वराघात 223

देशीनाममाला के व्यजन ध्वनिग्राम 225

कण्ठ्य—क, ख, ग, घ, 226

तालव्य – च, छ, ज, झ, 229

मूर्धन्य— ट, ठ, ड, ढ, ण, ण्ह ध्वनिग्राम की स्थिति 233

दन्त्य या वर्त्स्य—त, थ, द, ध, न 240

ओष्ठ्य—प, फ, ब, भ, म, म्ह की स्थिति 245

अन्त स्थ व्यजन—य, र, ल, व, ल्ह की स्थिति 250

स और ह 255

निष्कर्ष 257

व्यजन परिवर्तन 257

1. लोप—(क) आदिव्यजन-लोप
(ख) मध्यव्यजनलोप 258

2 आगम—(क) आदिव्यजनागम,
(ख) मध्यव्यजनागम,
(ग) अन्त्यव्यजनागम 258
3 वर्णविपर्यय 258
4 समीकरण 258
5 घोषीकरण 259
6 महाप्राणीकरण 259
व्यजन-सयोग—(क) प्रबलसयुक्तव्यजन 259
(ख) क्षीणसयुक्तव्यजन 260
(ग) मिश्रसयुक्तव्यजन 260
सयुक्ताक्षर 260

पदग्रामिक अध्ययन 261

पदग्राम 261
शब्दो का स्वरूप 261
प्रत्यय प्रक्रिया
1. विभक्ति प्रत्यय—(क) ओ, आ, ई, शून्य विभक्ति—ई, अ 262
(ख) निर्विभक्तिक शून्य प्रयोग 266
2 व्युत्पादकपूर्व प्रत्यय
(क) व्युत्पादक पूर्व प्रत्यय या उपसर्ग 267
(ख) व्युत्पादक परप्रत्यय 270
ताद्धतान्तशब्द-कर्तृवाचकप्रत्यय, सबधार्थक-प्रत्यय, स्त्री प्रत्यय व कृदन्तीप्रयोग 274

अर्थगत अध्ययन (अर्थ-विज्ञान) 275

(देशीनाममाला की शब्दावली का वर्गीकरण)
अनादि प्रवृत्तप्राकृत भाषा के शब्द 291
सस्कृतामिधान मे अप्रसिद्ध भारोपीय भाषा से सम्बद्ध शब्द 292
द्राविड परिवार की भाषाओ के शब्द 292
विदेशीशब्द 296
ध्वन्यनुकरणात्मक शब्द 299
लोकोद्भूत ध्वन्यनुकरणात्मक शब्द। 299

चेष्टानुकरण से सम्बद्ध ध्वन्यनुकरणात्मक शब्द 300
ध्वनिविधायक नाम 300
शैशवक्रीडा मे गृहीत सम्बन्धवाची शब्द 300
देशीनाममाला के अर्थप्रतिपत्तिनिमित्तक तत्सम एव तद्भव शब्द 300
(क) तत्समशब्द--(ख) धातुओ के अर्थातिशययोगसे युक्त 300
देशी शब्द या तथाकथित तद्भव शब्द 300
निष्कर्ष 302

सहायक ग्रन्थ सूची 304-311
कोशग्रन्थ 309
जर्नल्स 310